हिन्दी भाषा

प्रथम प्रश्न-पत्र : हिन्दी भाषा का विकासात्मक परिचय M.M. : 50

नोट—खण्ड-अ से **पाँच** प्रश्न, **खण्ड-ब** से **तीन** एवं **खण्ड-स** से **दो** प्रश्न करना **अनिवार्य** है।

खण्ड—'अ' 3 × 5 = 15

नोट—खण्ड-अ में आठ प्रश्न हैं। किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है।

1. अपभ्रंश का अर्थ बताते हुए, अपभ्रंश का काल कब से कब तक माना जाता है, प्रकाश डालिए।
2. ब्रजभाषा की उपबोलियों या स्थानीय रूपों का वर्णन कीजिए।
3. पूर्वी हिन्दी और पश्चिमी हिन्दी में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
4. खड़ी बोली का परिचय देते हुए इसका क्षेत्र निर्धारित कीजिए।
5. पुरानी हिन्दी से क्या समझते हैं ?
6. अवधी का सामान्य परिचय देते हुए उसके साहित्यिक योगदान का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
7. उपभाषा किसे कहते हैं ? पूर्वी हिन्दी का परिचय दीजिए।
8. पश्चिमी हिन्दी की बोलियों के नाम बताइए।

खण्ड—'ब' 5 × 3 = 15

नोट—खण्ड-ब में पाँच प्रश्न हैं। किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का है।

1. देवनागरी लिपि के विकास पर प्रकाश डालते हुए उसके गुण लिखिए।
2. देवनागरी लिपि अपनी सीमाओं में बँधी है, इस तथ्य पर प्रकाश डालते हुए उसमें हुए सुधारों का उल्लेख कीजिए। http://www.dbrauonline.com
3. राजभाषा से क्या तात्पर्य है ? राजभाषा के रूप में हिन्दी की संवैधानिक स्थिति पर प्रकाश डालिए।
4. राष्ट्रभाषा किसे कहते हैं ? किन गुणों के आधार पर किसी भाषा को राजभाषा बनाया जा सकता है।
5. स्वतन्त्रता से पूर्व काव्य भाषा के रूप में खड़ी बोली के विकास पर प्रकाश डालिए।

खण्ड—'स' 10 × 2 = 20

नोट—खण्ड-स में चार प्रश्न हैं। किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

1. ब्रजभाषा का साहित्यिक दृष्टि से क्या महत्व है ? ब्रजभाषा के मुख्य केन्द्र एवं प्रयोग क्षेत्रों का नामोल्लेख कीजिए।
2. पूर्वी हिन्दी की बोलियों का उल्लेख करते हुए इसके साहित्यिक अवदान की समीक्षा कीजिए।
3. वैज्ञानिक लिपि के रूप में देवनागरी लिपि की क्या-क्या विशेषताएँ हैं ?
4. मानकीकरण से क्या तात्पर्य है ? देवनागरी लिपि के मानकीकरण पर प्रकाश डालिए।

http://www.dbrauonline.com
http://www.dbrauonline.com